SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Contractual Junior Technical Assistant & Accounts Assistant — MGNREGA, Rajasthan

महात्मा गांधी नरेगा हर ग्राम पंचायत में काम कराती है — तालाब, नाडी, सड़क, मेड़बंदी, आवास एवं जल संरक्षण के काम — और उस काम को मौके पर नापने, उसका आकलन करने एवं उसका हिसाब रखने के लिए दो पद हैं, जो एक ही विज्ञप्ति से भरे जाते हैं।...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-mgnrega-jta

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा

प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी

प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा

वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी

अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

महात्मा गांधी नरेगा हर ग्राम पंचायत में काम कराती है — तालाब, नाडी, सड़क, मेड़बंदी, आवास एवं जल संरक्षण के काम — और उस काम को मौके पर नापने, उसका आकलन करने एवं उसका हिसाब रखने के लिए दो पद हैं, जो एक ही विज्ञप्ति से भरे जाते हैं। कनिष्ठ तकनीकी सहायक काम की तकनीकी ज़िम्मेदारी संभालता है: कार्य-स्थल का चयन, माप, प्राक्कलन, गुणवत्ता एवं मूल्यांकन। लेखा सहायक उसी काम का वित्तीय पक्ष संभालता है: मज़दूरी का भुगतान, सामग्री का हिसाब, अभिलेख एवं ऑनलाइन प्रविष्टि। दोनों पद ग्रामीण विकास विभाग के हैं, संविदा के आधार पर भरे जाते हैं, और भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड करता है। इन दोनों को एक साथ पढ़ना इसलिए उपयोगी है कि इनकी योग्यता बिल्कुल अलग है — एक अभियांत्रिकी माँगता है, दूसरा कोई भी स्नातक — और मानदेय दोनों का एक ही है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	दोनों पदों की योग्यता अलग है। कनिष्ठ तकनीकी सहायक — सिविल अभियांत्रिकी में बी.ई./बी.टेक. डिग्री अथवा डिप्लोमा, अथवा कृषि अभियांत्रिकी में बी.ई./बी.टेक.। लेखा सहायक — किसी भी विश्वविद्यालय अथवा सम्बद्ध महाविद्यालय से स्नातक, तथा साथ में एक कंप्यूटर प्रमाण-पत्र (आर.एस.सी.आई.टी., ओ-लेवल, कोपा/डी.पी.सी.एस., अथवा कंप्यूटर विज्ञान का डिप्लोमा)
भर्ती संस्था	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आर.एस.एस.बी.) — पद महात्मा गांधी नरेगा, ग्रामीण विकास विभाग के हैं
आयु-सीमा	21 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को — राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स, 2022 के अनुसार — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	₹16,900 प्रतिमाह — दोनों पदों के लिए समान संविदा पारिश्रमिक, वेतनमान नहीं
माँग	भर्ती राज्य भर की ग्राम पंचायतों एवं पंचायत समितियों के लिए एक साथ निकलती है, और चयन के बाद ज़िला परिषद ब्लॉक आवंटित करती है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- गाँव के निर्माण एवं जल-संरक्षण के कामों में रुचि
- हिसाब-किताब एवं अभिलेख का व्यवस्थित काम (लेखा सहायक के लिए)
- मौके पर जाकर काम देखना एवं नापना, केवल कार्यालय में बैठना नहीं

क्षमताएँ

- माप एवं गणना में शुद्धता, क्योंकि मज़दूरी का भुगतान उसी माप पर निर्भर करता है
- कंप्यूटर पर काम करने की क्षमता, क्योंकि मनरेगा का पूरा अभिलेख ऑनलाइन दर्ज होता है
- ईमानदारी एवं दबाव में टिके रहने की क्षमता — यह वह पद है जहाँ माप एवं भुगतान दोनों पर स्थानीय दबाव आता है

ज़रूरी कौशल

- कार्य-स्थल का माप, प्राक्कलन एवं मूल्यांकन (कनिष्ठ तकनीकी सहायक)
- मस्टर रोल, मज़दूरी भुगतान एवं सामग्री का लेखा (लेखा सहायक)
- ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक कार्यालय के बीच समन्वय
- निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जाँच एवं तकनीकी पर्यवेक्षण
- मनरेगा पोर्टल पर प्रविष्टि एवं अभिलेख संधारण
- सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) के लिए अभिलेख प्रस्तुत करना

4 कैसे पहुँचें

1. पहले तय करें कि आप किस पद के अभ्यर्थी हैं, क्योंकि दोनों की योग्यता एक-दूसरे से पूरी तरह अलग है। कनिष्ठ तकनीकी सहायक के लिए सिविल अभियांत्रिकी में बी.ई./बी.टेक. डिग्री अथवा डिप्लोमा चाहिए, अथवा कृषि अभियांत्रिकी में बी.ई./बी.टेक.। ध्यान दें कि यहाँ डिप्लोमा भी पूरा योग्य है — डिग्री अनिवार्य नहीं — जो इस पद को पॉलिटेक्निक से निकले विद्यार्थियों के लिए खुला रखता है।
2. लेखा सहायक के लिए किसी भी विषय में स्नातक पर्याप्त है — बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. कोई भी — और उसके साथ एक कंप्यूटर प्रमाण-पत्र चाहिए। मान्य प्रमाण-पत्रों में डोएक/नीलिट का ओ-लेवल या उससे ऊपर, कोपा या डी.पी.सी.एस., कंप्यूटर विज्ञान या कंप्यूटर एप्लीकेशन का डिप्लोमा, पॉलिटेक्निक से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग का डिप्लोमा, तथा आर.एस.सी.आई.टी. शामिल हैं।

3. यदि आप स्नातक हैं और कंप्यूटर प्रमाण-पत्र नहीं है तो आर.एस.सी.आई.टी. सबसे सस्ता एवं तेज़ रास्ता है — वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा के आर.के.सी.एल. केंद्रों पर। और यहाँ एक बात जोड़ने योग्य है: यही प्रमाण-पत्र सचिवालय एवं अन्य लिपिक पदों की भी शर्त पूरी करता है। एक सस्ता प्रमाण-पत्र दो अलग-अलग भर्तियों के लिए पात्रता देता है, इसलिए इसे केवल इस पद के लिए नहीं, अपने लिए कर लेना चाहिए।
4. योग्यता आवेदन की अंतिम तिथि से पहले अर्जित कर ली जानी चाहिए। विज्ञप्ति स्पष्ट कहती है कि अंतिम तिथि के बाद अर्जित योग्यता मान्य नहीं होगी और ऐसे अभ्यर्थी अपात्र होंगे — इसलिए परिणाम की प्रतीक्षा करते हुए आवेदन करने की योजना यहाँ काम नहीं करती।
5. आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, जिसकी गणना आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को की जाती है। ऊपरी आयु-सीमा में छूट के सामान्य प्रावधान लागू होते हैं — सामान्य वर्ग की महिलाओं को 5 वर्ष, आरक्षित वर्ग के पुरुषों को 5 वर्ष, तथा आरक्षित वर्ग की महिलाओं को 10 वर्ष।
6. बोर्ड की विज्ञप्ति आने पर एस.एस.ओ. आई.डी. से ऑनलाइन आवेदन करें। चयन के बाद ज़िला परिषद ब्लॉक आवंटित करती है — अर्थात् पदस्थापन ज़िले के भीतर होता है, और यह उन थोड़े पदों में है जहाँ काम अपने ही ज़िले में रहने की संभावना अच्छी रहती है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- यह पृष्ठ दो पदों को एक साथ रखता है क्योंकि विज्ञप्ति उन्हें एक साथ रखती है — एक ही विज्ञापन, एक ही नियम-समूह, एक ही आयु-सीमा, एक ही मानदेय एवं एक ही चयन प्रक्रिया। इससे एक तुलना सामने आती है जो अलग-अलग पढ़ने पर कभी दिखाई नहीं देती: सिविल अभियांत्रिकी का तीन-वर्षीय डिप्लोमा और कोई भी सामान्य स्नातक डिग्री के साथ आर.एस.सी.आई.टी. — दोनों एक ही ₹16,900 प्रतिमाह पर पहुँचते हैं। पाठ्यक्रम चुनते समय यह जानने योग्य बात है।
- कनिष्ठ तकनीकी सहायक के बारे में एक बात विशेष रूप से जान लेने योग्य है: डिप्लोमा पूरा योग्य है। इस पोर्टल पर कनिष्ठ अभियंता के नाम से जो पद हैं उनमें से कुछ डिग्री माँगते हैं और कुछ डिप्लोमा, और यह भ्रम का बड़ा कारण है। यहाँ सिविल अभियांत्रिकी का डिप्लोमा अपने आप में पर्याप्त है — इसलिए पॉलिटेक्निक से निकला विद्यार्थी इस पद के लिए उतना ही पात्र है जितना डिग्रीधारी।
- भर्ती राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स, 2022 के अंतर्गत होती है — यही नियम-समूह नगरीय निकायों के संविदा सफाई कर्मचारी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पर भी लागू है। संविदा पद के लिए सेवा नियमावली नहीं, यही नियम पढ़े जाने चाहिए। इसका सीधा अर्थ यह है कि इन पदों पर वेतनमान, महँगाई भत्ता, वार्षिक वेतन-वृद्धि एवं पेंशन लागू नहीं होते।
- लेखा सहायक की कंप्यूटर शर्त वही है जो राजस्थान के लिपिक संवर्ग पर लागू होती है, और यह संयोग नहीं — राज्य ने एक ही मान्य प्रमाण-पत्रों की सूची कई भर्तियों में अपनाई है। व्यावहारिक रूप से इसका अर्थ यह है कि आर.एस.सी.आई.टी. कर लेने वाला स्नातक एक साथ इस पद, सचिवालय के लिपिक ग्रेड-II, तथा अन्य कई लिपिक पदों की शर्त पूरी कर लेता है — एक प्रमाण-पत्र, कई दरवाज़े।

- चयन के बाद की प्रक्रिया भी जान लेने योग्य है: चयनित अभ्यर्थियों को ज़िला परिषद के माध्यम से ब्लॉक आवंटित किया जाता है, और इसके लिए काउंसलिंग शिविर होते हैं। अर्थात् पदस्थापन ज़िले के भीतर तय होता है, न कि राज्य भर में कहीं भी — यह इस पद का एक व्यावहारिक लाभ है।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government polytechnic colleges, Rajasthan — the civil engineering diploma, which is fully sufficient for the Junior Technical Assistant — राजस्थान के ज़िलों में (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- Government engineering colleges, Rajasthan — the B.E./B.Tech route in civil and agricultural engineering — जोधपुर, कोटा, अजमेर एवं अन्य (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- Vardhaman Mahaveer Open University, Kota — RSCIT through the RKCL centres, the cheapest computer certificate for the Accounts Assistant — कोटा, राजस्थान — आर.के.सी.एल. केंद्र हर ज़िले में (https://www.vmou.ac.in/)
- State universities and affiliated colleges, Rajasthan — any graduation qualifies for the Accounts Assistant — राजस्थान भर में (https://hte.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड — विज्ञप्ति, पाठ्यक्रम एवं परिणाम — भर्ती इसी बोर्ड से (https://rssb.rajasthan.gov.in/)
- ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्थान — मनरेगा से जुड़े आदेश एवं ब्लॉक आवंटन — चयन के बाद के आदेश यहाँ (https://rajpanchayat.rajasthan.gov.in/)

- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस पद के अभ्यर्थी हैं, और यही इस पृष्ठ की सबसे उपयोगी तुलना है। लेखा सहायक का रास्ता सस्ता है: किसी भी विषय में स्नातक, जो सरकारी महाविद्यालय में कम शुल्क पर हो जाता है, और उसके साथ आर.एस.सी.आई.टी., जो आर.के.सी.एल. केंद्र पर कुछ हज़ार रुपये में हो जाता है। कनिष्ठ तकनीकी सहायक का रास्ता अधिक खर्चीला है — सिविल अभियांत्रिकी का डिप्लोमा तीन वर्ष का होता है और डिग्री चार वर्ष की; सरकारी पॉलिटेक्निक में यह बहुत सस्ता है, निजी संस्थान में नहीं। दोनों रास्तों का मानदेय एक ही है, इसलिए यदि लक्ष्य केवल यही पद है तो सस्ता रास्ता स्पष्ट है — पर ध्यान रहे कि सिविल का डिप्लोमा अपने आप में कई और दरवाज़े खोलता है, इसलिए उसे केवल इस पद की लागत मानकर न आँकें।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कौन नौकरी देता है

- महात्मा गांधी नरेगा, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान — ज़िला परिषद एवं पंचायत समिति के माध्यम से

माँग (2026)

भर्ती राज्य भर के लिए एक साथ निकलती है, क्योंकि मनरेगा हर ग्राम पंचायत में चलती है और दोनों पद हर ब्लॉक में चाहिए। चयन के बाद ज़िला परिषद काउंसलिंग शिविर के माध्यम से ब्लॉक आवंटित करती है। एक बात ध्यान में रखने योग्य है: यह योजना-आधारित संविदा नियोजन है, इसलिए पदों की संख्या योजना के आवंटन एवं कार्य की मात्रा से जुड़ी रहती है और हर चक्र में एक जैसी नहीं होती। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. ये संविदा पद हैं, इसलिए इनमें वरिष्ठता, वार्षिक वेतन-वृद्धि एवं पदोन्नति के वे प्रावधान लागू नहीं होते जो नियमित सेवा में होते हैं। यह स्पष्ट कह देना आवश्यक है, क्योंकि काम ज़िम्मेदारी का है और उससे यह भ्रम सहज ही हो जाता है कि सेवा-शर्तें भी नियमित पद जैसी होंगी।
2. आगे का रास्ता नियमित पदों की ओर जाता है, और यहाँ का अनुभव उसमें सहायक होता है। तकनीकी पक्ष वालों के लिए राज्य का कनिष्ठ अभियंता (जे.ई.एन.) एवं आगे सहायक अभियंता का मार्ग है — और वही सिविल डिप्लोमा या डिग्री उन भर्तियों की भी योग्यता है, इसलिए तैयारी दोहरी नहीं करनी पड़ती। लेखा पक्ष वालों के लिए कनिष्ठ लेखाकार, लिपिक ग्रेड-II एवं सचिवालय के मंत्रालयिक संवर्ग के रास्ते खुले हैं, जिनकी कंप्यूटर शर्त आप पहले ही पूरी कर चुके होते हैं।
3. ग्राम पंचायत स्तर पर काम करने का एक और लाभ है जो प्रायः नहीं गिना जाता: ग्राम विकास अधिकारी, पंचायत समिति एवं ज़िला परिषद की कार्यप्रणाली आपको भीतर से समझ में आ जाती है। जो अभ्यर्थी बाद में ग्राम विकास अधिकारी अथवा अन्य पंचायती राज पदों की परीक्षा देते हैं, उनके लिए यह समझ वास्तविक बढ़त होती है।

कमाई

शुरुआत	₹16,900 प्रतिमाह (संविदा पारिश्रमिक — दोनों पदों के लिए समान)
मध्य स्तर	संविदा पद पर वार्षिक वेतन-वृद्धि का प्रावधान नहीं — दर राज्य सरकार के आदेश से परिवर्तनीय है
वरिष्ठ स्तर	इस पद में आगे कोई स्तर नहीं — आगे का रास्ता नियमित अभियांत्रिकी अथवा लेखा पदों की ओर जाता है

विज्ञप्ति दोनों पदों — संविदा कनिष्ठ तकनीकी सहायक एवं संविदा लेखा सहायक — के लिए ₹16,900 प्रतिमाह संविदा पारिश्रमिक देती है, और यह भी कहती है कि मासिक नियत पारिश्रमिक राज्य सरकार के आदेशानुसार परिवर्तनीय होगा। दोनों पदों का एक ही मानदेय होना इस पृष्ठ की सबसे उपयोगी तुलना है: सिविल अभियांत्रिकी का डिप्लोमा और कोई भी स्नातक डिग्री के साथ एक कंप्यूटर प्रमाण-पत्र — दोनों एक ही राशि पर पहुँचते हैं। यह संविदा पारिश्रमिक है, वेतनमान नहीं, इसलिए इस पर महँगाई भत्ता, वार्षिक वेतन-वृद्धि एवं पेंशन लागू नहीं होते। यह आँकड़ा मानदेय है, वेतन नहीं — और यही इस पद की सबसे बड़ी बात है जिसे पहले समझ लेना चाहिए। मानदेय पर महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, वेतन-वृद्धि, पेंशन एवं वेतनमान के अन्य लाभ लागू नहीं होते; जो राशि स्वीकृत है वही मिलती है। दर तब बदलती है जब राज्य सरकार प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करती है, प्रायः बजट घोषणा की पालना में — किसी वेतन आयोग की सिफ़ारिश से नहीं। इसलिए इस पृष्ठ पर सातवें या आठवें वेतन आयोग की कोई बात नहीं है, क्योंकि उनका इस पद पर कोई लागू नहीं होता।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- दो अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए एक ही भर्ती में जगह है — अभियांत्रिकी वालों के लिए तकनीकी सहायक, और किसी भी सामान्य स्नातक के लिए लेखा सहायक।
- कनिष्ठ तकनीकी सहायक के लिए सिविल का डिप्लोमा पूरा योग्य है — डिग्री अनिवार्य नहीं, जो इसे पॉलिटेक्निक से निकले विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाता है।
- पदस्थापन ज़िले के भीतर होता है, क्योंकि ब्लॉक आवंटन ज़िला परिषद करती है — अपने ही क्षेत्र में काम करने की संभावना अच्छी रहती है।
- यहाँ का अनुभव आगे की नियमित भर्तियों में सीधे काम आता है, और उनकी योग्यता प्रायः वही रहती है जो आपके पास पहले से है — इसलिए तैयारी दोहरी नहीं करनी पड़ती।

चुनौतियाँ

- ये संविदा पद हैं। वेतनमान, महँगाई भत्ता, वार्षिक वेतन-वृद्धि, पदोन्नति एवं पेंशन इन पर लागू नहीं होते, और पारिश्रमिक राज्य सरकार के आदेश से परिवर्तनीय है।
- नियोजन योजना से बँधा है। मनरेगा एक योजना है, इसलिए पदों की संख्या एवं निरंतरता योजना के आवंटन एवं कार्य की मात्रा पर निर्भर करती है — यह नियमित पद जैसी स्थिरता नहीं देता।
- ₹16,900 अभियांत्रिकी डिप्लोमा अथवा डिग्री के लिए कम है, और यह स्पष्ट कह देना चाहिए। सिविल डिप्लोमा या डिग्री वाले अभ्यर्थी को इस पद की तुलना राज्य के नियमित कनिष्ठ अभियंता पद से करके देखनी चाहिए, जो वेतनमान वाला है।
- माप एवं भुगतान दोनों पर स्थानीय दबाव आता है। मनरेगा में मज़दूरी की गणना माप पर होती है, इसलिए यह पद उस दबाव के केंद्र में रहता है, और यह काम का वास्तविक कठिन हिस्सा है।
- योग्यता आवेदन की अंतिम तिथि से पहले पूरी होनी चाहिए — बाद में अर्जित योग्यता मान्य नहीं है, इसलिए अंतिम वर्ष के विद्यार्थी के लिए यहाँ छूट नहीं है।

9 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- ग्राम विकास अधिकारी (वी.डी.ओ. / ग्राम सेवक)
- प्लाटून कमांडर (गृह रक्षा, राजस्थान)
- लिपिक ग्रेड-II — राजस्थान सचिवालय

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड — संविदा कनिष्ठ तकनीकी सहायक एवं संविदा लेखा सहायक सीधी भर्ती-2024, विस्तृत विज्ञापन संख्या 27/2024 (दोनों पदों की योग्यता, आयु एवं मानदेय इसी में) — https://rssb.rajasthan.gov.in/storage/advertisement_item/1734001055.pdf

2. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड — विज्ञप्ति अनुभाग — https://rssb.rajasthan.gov.in/advertisements

3. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्थान — मनरेगा एवं ब्लॉक आवंटन से जुड़े आदेश — https://rajpanchayat.rajasthan.gov.in/

4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

5. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in